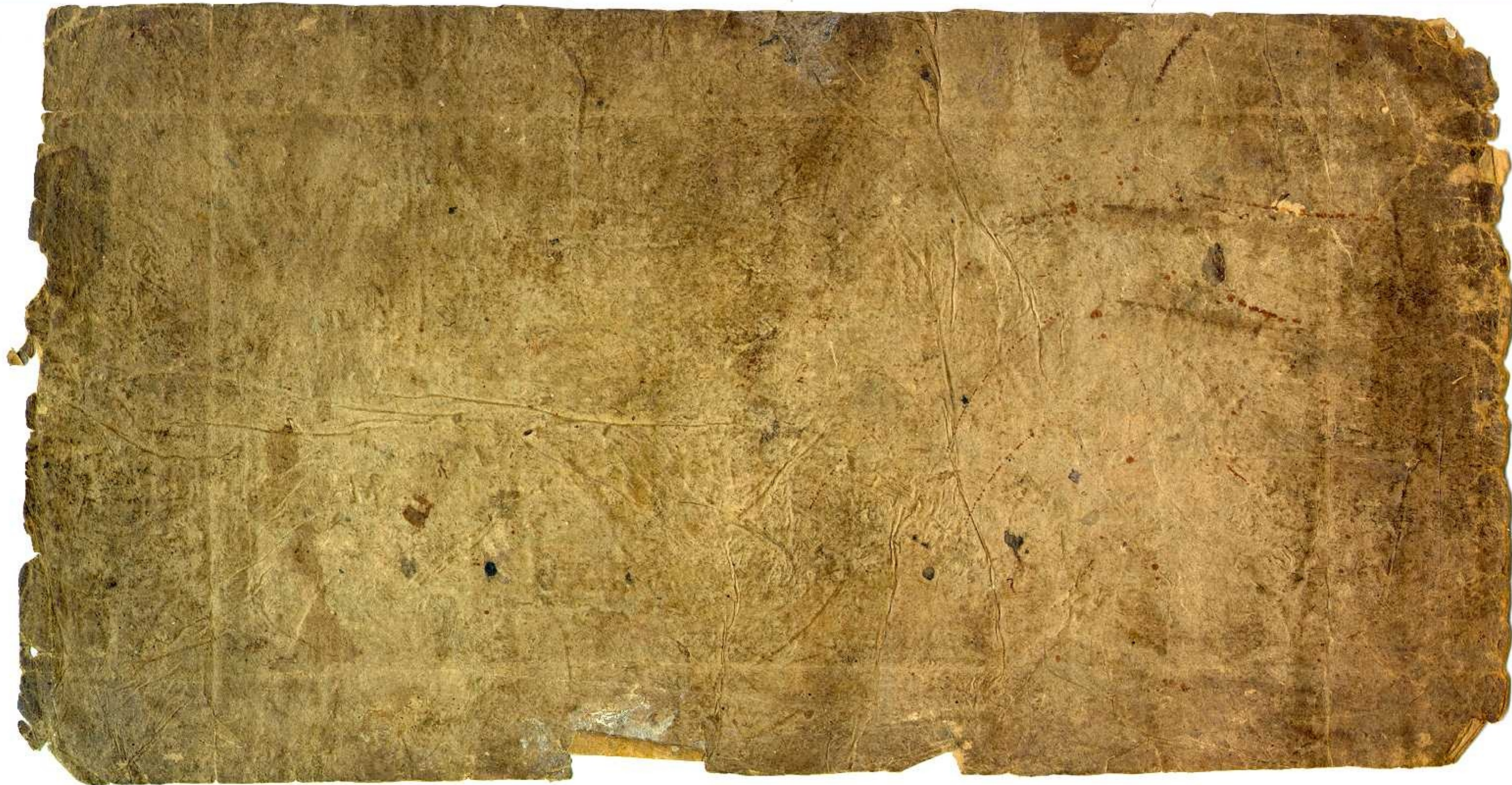




श्री गणेशाय नमः॥ ॥ प्रवृत्त सत्यनारायणाय नमः॥ ॥ इति नका
दिना श्री दको मूलव नैमिषारं न्येवन विरव यलः सभास॥ सकल
श्री पनिस मूलव जोड मू वे ल स॥ सूत यो रानी श्री पुगली
आश स यो न क ल विज्जा इव॥ लूथ या प्रवृ म प्र हर स द को न
॥१॥ श्री पनिस या म हा आ न द भा व या इव पू जा या ये धून का व॥ ॥१॥
दको श्री पनिसे न सूत यो रानी या के वि न ती या त॥ हे सूत यो
रानी यो कली जु ग ल म नू यो लो क यो अधिक या यू बु धि शा न हि
न जु या वः व से न ली धर्म कर्म या य म पु से ली॥ पा व व च ये गु रू
दुख क ल गु रू यो पनिस या त जु लो॥ स र्जन पनिस या त जु लो दुया

इगर्न॥ पाप पुर्द्ध व दुवत या ममाल॥ दुया इगर्नं ओ लोक या त सुख सं प
ती॥ च न धां न्ये दर्द्ध व॥ पर लोक स वै कृ राठ स वा स हार्द्ध व ओ ते या उ प कार
दु न द व ला॥ आशा द य क से वि ज्ञा य माल च कें सो न का दि अ षी जानि
से न जु ल सां वि न ति या तं॥ सूत धौ रा नी न जु ल ली आशा द ये क ली॥ सूत उ
वाचः हे सो न का दि अ षी द ल धौ ल जानि स धं न्ये २ धा य ष व॥ हान धाल
सा वै ह म व धा नि स र्व इ व॥ अति न द या द व लोक या त हि त जु र्द्ध ये क वि
त या ये फ र त सा उ धा र जु र्द्ध॥ धन धी न्ये जु र्द्ध गू जि न ने इ व त या द व॥ कृ पा
जु शा व व न गू र्व ह गू ली द व जि न क ने॥ नार द अ षी न जु ल लां श्री विष्णु
या के वि न ति या तं॥ श्री विष्णु न जु ल ली॥ नार द अ षी या ह व ने स आशा

दयक से विज्ञा कुरु कथा हा छ गू द व ॥ शुशुली कथा हा छ न ये का वि
त शा हा व ने ड गि न क ने च कं ॥ सुत दो रा नी न गु ल सं आशा दय क ल
॥ क पा श्री नार द ऋषी न गु ल सं म नू षे या न हित शा अ च कं ॥ लोक
संसार स फि रे या हा व गु ल ये न लि म नू षे ॥ लोक या पा प ग्र स्थ ज या व
॥ अ ने ग र दु ख क ल ज या व चो ड गु ल या व ॥ नार द ऋषी या चित स
दशा ड त प न गु या व ॥ म नू षे लोक या पा प दु ख न ये या हा नं ह न ये
गु ई व च कं ॥ म नं न चित ल भा व नार द ऋषी वै क र ठ पू रि स वि ज्ञा त ॥ धो
या य स श्री भा ग वा न म हा विष्णु ग यो वि ज्ञा त च कं चाल सा ॥ पिता म्बर धो
ति न चि हा व व न सा ला न को र वा या व श्री वा ल को सु भ म नि मा त्रि क्य धार

॥२॥

॥२॥

रना आ इव ॥ दोख च न जडा पद जो इव श्रीलक्ष्मी सरस्वती सहित आ
इव अति न स्य आ य मान जु य काव ॥ मरु हु न किला व विज्या क वे ल स ना
रदन जु ल सा दर्शन या इव प्रददिना आ इव सुति आत ॥ नारद उवाच
हे परमेश्वर श्री भगवान् कोटी नमस्कार हे परमेश्वर छल पोल ग वी ड
है धकं बाल सा छल पोल आ वी ड है चकं सूना नं सि ये के म प्र ॥ लूनानं
सि व गू नै म प्र हे अ नै त ल कि जु आ व विज्या क है ॥ आदि अंत जु आ व विज्या
क है हु नं गु रा या आत्मा प्रद व जु या व विज्या क है ॥ हु नं नि ग र्ति जु आ व वि
ज्या क है हु नै आत्मा द को या प्राण प्रद व जु या व विज्या क है ॥ हे ईश्वर छल
पोल आ चरण स वारं कार नमस्कार हे परमेश्वर द को देवता या ॥ देवता जु
आ व विज्या क है हे क द ना म य द को प्राणि या दुख प्रत काव ॥ नाना जु ग

स २ अवतारका आ व डु क यानिस यात मोचका व ॥ सा धू यानिस यात रक्षा या
ना व विष्णा क हां छल योल यानिस या वर हा ल ॥ कोटी २ नमस्कार थर्क श्री
नारदन जुल हां अस्तुति यात ॥ ओ नंली नारदन जुल सी अस्तुति या क स
या व ॥ श्री भगवान महाविष्णु न जुल सी ती तुला जु या व ॥ नारद या ह व ने
स प्रा शा द थ क ली ॥ श्री भगवान ड का च ॥ हे नारद छल योल दु कार हा न
यना विष्णा ड दु ली दे ह जु ल ॥ प्रा शा द थ क से विष्णा हु ने थर्क श्री भगवा
न न प्रा शा द थ क ल ॥ थो ते प्रा शा ने ड व श्री नारदन जुल सी विनाति या ती ॥
श्री नारद ड का च ॥ हे पर मे थर श्री वै कृ ण ठ ना थ जि नू विनाति ने से विष्णा
हु ने ॥ थो से सार ल म नू थो लोक यानिस थ ने ग दु ख क सा न या व जु ल ॥

॥३॥

॥३॥

हं नं अने ग पा प न ग स्थ ज पा व यो रा लि जो नी स ज न ग ल ॥ महा २ अ ओ र
२ न र क स ल ग त म हा द रि द्र ज आ व नि स ग न ग आ व पा य ओ ग आ ड ग न चो
न ॥ प नि स ड धा र ज र्द ग र्द ड पा यो ड च का र द व ला ॥ हि प्र भू ष ग ली र व जि
न वे न्ये ग र्द धा ज ल हे न ग वा नु जि ग ड प र स ॥ द सा क र ना त आ व म नु
ष्ये लो क प नि स आ त ड धा र ज र्द ग र्द ॥ जि न वि स्ता र नै आ रा द ये क से वि ज्ञा
य माल ध क श्री नार द न ज ल सां वि ना ति सा त ॥ ओ ते नार द या ग भा षा ने हा
व थ स श्री भ ग वा न नै ज ल सां आ रा द ये क ल ॥ श्री भ ग वा न ड वा चः ॥
ओ नार द द ल पो ल से न ज ल सां न र लो क आ ॥ उ प र स द या द व भ कि अ
आ त आ व जि के द न ने न द न ग जि न क ने ये क चित आ ड ग ने ड ॥ हे नार द
जि न ज ल ली म हा ग प्र आ ड ग ने त या ग स्व र्ग म ष्ये पा ताल से ॥ दु ल म नु न

नतिआतं ॥ श्रीनारदउवाच ॥ हेपरमेश्वर परं वृत्त श्रीभगवान्नोमिंश्रीसत्पे
नारायणयावत्त पूजा छुविधीनयायेगुखव ॥ गोवेलसयायेगुदुदुसामाग्री
दयकेमाल द्रुपीगुगुलीवत्तसुनानीयात ॥ सुसूउधारजुयावः वन ओखजित
विस्तारआडावग्राशादयकलेविज्यायेमाल धर्की ॥ नारदनजुलसांविनातिआ
तं वनश्रीभगवान्नजुलसीग्राशादयेकल ॥ श्रीभगवान्नउवाच ॥ हेनार
दगोह्रीमन्नूषेपमानिसयादुखकलमजुअमाल ॥ वनचीन्येसंतानवरुय
जुअमालगुगुलीमननीकामनाजातउगुली ॥ ईक्षापुर्णजुअमालधर्केभ
क्तिश्रधानआवकेवलसकोटयाडाव ॥ मनसद्वैलंदेहमतस्पंश्रीसत्पनारा
यणयापूजायायेत्रिसीच्याकालसयाये ॥ वीररावीधूवर्गादिभवपरिवा

रक्षाहस्तमुद्राव धर्मसचिन्तायाव पूजायाये॥ नैविद्य दये के यात ते छोचून जु
लसी छोचून जु लसी जाके चून जु लसां जिव॥ विनीचाकू घेल सा दुहू धाले केरा
परिच जाय पत्रिजाये फल दाला विनी॥ कर पूर भुली वस्तु कना पक्षाना वस्तु
पुन नैविद्य दये के॥ हनै अने गाये जावि जभिड २ साक वस्तु फल फल मोसिम
ख सुधी गो चराल॥ कुं कूम गो लचन धम फयाये वस्तु क दये के चले श्रान ॥५॥
उफो श्रा राई ला दिछाये॥ ज पक्षोत्र याये॥ वीं सला पूजा याये ददिना विच
वार न लाये विसर्जन याये॥ सकल यात नैविदे प्रसाद विये धमन भोजन
याये॥ हे नारद थोते या क सी या अवस्पन दको पाय फुई व॥ थोली मनूयो
पाशूशूली मनसू या यात व शूली पूर्ण जु शूव॥ हे नारद थुशूली व्रत याक

सं उधार जु व गुरुव जिन क ने ॥ सुधाचित या डा व ने डः चकं प्राशा द ये कली ॥ हे ना
रद ईश्वर पुरन गरस अग्नि न के गाल जु या व ॥ दरिद्र जु या व जो डः सं श्री सरा व सं
द व थो श्री सरा यान ये मख डग व ॥ सदा कार्त्तिक पिप्पला का व देखा पातिका दुस्व ल
जुलं थो दुखी के गाल जु व या निमिर्ति न ॥ थो के गाल श्री सरा या त सू गाने पुद्ग ये
मया क ॥ विचारी म दु व ना २ था स सू गाने वि व म द या व ॥ भो क ल ह्माने आ क ल
या कू ल या डा व द्या न ला डा व जु स्पे न ली ॥ छ रु या दिन स अ त्पे त अ प्र श चा
जु या व स्पे ली श्री भगवान सु म न्ता या स्पे ली ॥ छ रु या दिन स श्री सत्ये
नारायण भगवान प्र त ५ जु या व ॥ श्री सरा या ह व ने स अ शा द या क
ह ॥ श्री भगवान उ वा च ॥ हे श्री सरा दु या निमिर्ति न सदा कार्त्तिक वर या आ सा या डा व जु

या च कं आशा दये कल ॥ ओ ते आशाने उग व वी स्रगान जुल लां विनगियातं ॥ वा
स्रग उवाच ॥ हे भगवान जि प्रतिन दुस्त कस्त नया व जुया ॥ हे ईश्वर जि गूद
रिद ना लया उ व जि त उधार या उ व दया प्रसंन जु से विज्याये माल ॥ जिन दु
या उ नै उधार जु ई व हे ईश्वर जित न सं पति दयी व गु उ पा ये ॥ दया कृपा
या उ व प्रसंन जु से विज्याये माल च कं ॥ वी स्रगान जुल लां विनगियातं श्री ॥ ६ ॥
भगवान नै जुल लां आशा दय कल ॥ श्री भगवान उवाच ॥ हे वी स्रग
सुधचित्त जु या व ने ड ॥ ६ ॥ उधार जु ई गु उ य दे सविद्य हे वी स्रग श्री सत्य
नारायण या पुजा व्रत या व ॥ ओ वे ल सद्ध न म नोर थ गु र्ग जु ई व हे वी स्र
न ने ड गो स्र म न्छे न ॥ श्री सत्य नारायण या पुजा व्रत या यी व ॥ व स्र

मन्त्राद्यासमस्तदुस्वकारेण नास्तु यत्र ॥ हे श्रीहरा ॥ हनति न चाप्य
ये नैविदेकं न तु स्य स फलं ये वस्तु क द य का व पुजाया ॥ ओ दे
ल स ह न मनो रथ पु रं तु य व च कं श्री हरं या त उ प दे स वि या व ॥
श्री सत्य नारायण मंत्रं ध्या नं तु या व वि ज्ञा त ॥ ॥ ईति श्री स्क
ण्ड पुराणे देवा सूर सं म्या दे ॥ श्री सत्य नारायण व्रत उ प दे स क था प्र
थ मे ध्या ये ॥ १ ॥ ॐ नीली वी हरं या मन स पु रु षं ल वि रा जि ना नि
श्च य नं या य तु लो च कं मन स त या व दे स्य न ती ॥ ॐ श्री हरं या क्रै ल म व
य का व रा त्रि स का ल ह र्नि ॥ ॐ नीलि प्रा त काल स द ह न व ह्म न या इति व श्री स
त्य नारायण व्रत पु जा नि न या ये तु लो च कं ॥ सं क र्प प षा ण व नि ष्ठा ॥

फोनवनेधकवनं ॥ ओ नं ली श्री सत्य नारायण यावुत कथाने इत या फ
फल नं ॥ वुत या य धक संक ल्य या फल नं भि ध्यानं दत च न नै द या व
वला ॥ ओ न लि भे ह २ दिन स या सं जाति पति की नै विशा फल पुल प काम
ता मुल स धि पं या म न य म न फ या ये जि य का व ॥ भाति श्र धान सी जु त या इत
व ओ वी ल रानं जु ल सां पूजा या इत व ॥ गान न न श्री सत्य नारायण या इत
दे स न भि दु वि ज वि ज व सु के प ल पु ल ॥ अ पू ग नै वे दे द य का व या म फ या
ये सा मा ग्री ता ल रान का व ॥ श्री सत्य नारायण या पुजा वुत या ये ओ ते धून
का व नै वे दे प्र सा द न या वी ल रान या व वि ये ॥ द दि ना वि य ओ नै ली प्य व जा हान
जाई वी पू स क ल या म वि य ॥ वा र व न नै ये गित वा श्र भ जन या ये ॥ फ को ज प सो

॥ ७ ॥

॥ ७ ॥

त्रे पा भ आदि न या ये ॥ ओ हा न नु छे या त प्र व स्य न मन नी वि त ना या ड ग तु ती नि
श्रु य न फ ल द र्द व ॥ वि से च न ओ कालि नु ग स भु ग तु ली वु त वा हि क न मे व गु ली दु
न मे गु व च कं ॥ आ रा द य क लं हे नार द ह न क नी क ने ज्ये ड ॥ का सि गुर न ग र स
अ रि न कं ग ल दु रि वी ह रा द ह न द से चो न ॥ ओ वी ह रा द य न न य स र व ड
व पि ला न व ॥ व या ये हे स सि से दे स र भ न ना या ड व अ रि न दु र व क ल न या
व नु व गू स य व ॥ श्री स न ना रा य रा नी नु ल लो व ध वी ह रा द य न य नु या व ओ
वी ह रा द य आ ये स वि ज्ञा ना व ॥ श्री भ ग वा न नी नु ल ली आ रा द ये क लं ॥ श्री
भ ग वा न उ वा च ॥ हे वी ह रा द न नु ल ली दु या का र रा नी य वि वि त भ म रा ज
व नु या ॥ द न दु नु ला द य र व व च कं व ध न य भ ग वा न नी नु ल ली वी ह रा द य
ह न ने स आ रा द य क लं ॥ ओ ते आ रा ने ड व ओ लं दु र वी वी ह रा नी नु ल लो

वृद्धयः श्री लला या हवने लविनति यातं ॥ विप्रुवाच ॥ हे प्रभु भजि जुलै अतिनत
वृद्धी जु या वचो डग ॥ दुख या ल मूड संलु कन विडग वचो ना ॥ हे प्रभु भजि न जुल
सी नय मख डग व लूना नीं पु अना विभा ये वि युव द यूव ला धर्क प्रासनं ॥ पृथी
विल प्रम ना या डग व जु या हे प्रभु ॥ ओ ते जि गू दरिद्र ना स गू ई यू छुं ड का य द त
सा ॥ आशा दय क सो वि जा हु ने ध कं दरिद्र श्री लला नीं जुल सी ॥ अति क रूणा नीं मि
रुण सखो वित या व वचन रणा रणा तु त का व विनति यात ॥ ओ ते दरिद्र श्री लला
या भा या ने डग व अति क रूणा चा या व भो श्री भगवान न जुल सी आशा दय क
ले ॥ श्री भगवान ड वाच ॥ हे श्री लला छ जुल सी अति न दुखी सि या वचो न शु स्व
या वृ जि अति न क रूणा या य धू नो ॥ हे श्री लला छ ड धार गू ई गू ड य दे सु जि न

॥८॥

॥८॥

विद्ये॥ य कवितया इव नेह ओवेह स हनत धारत इव हे वीं ल रा य कवित
या इव॥ श्री सत्य नारायण या इवा ये स वृत पूजा यात सा हत धारत पू
ह न दुख दरिद्र फुल व गुरुली मन नं भाल पा॥ व गुरुली पूर्णतु पूव हे वीं
ल रा आव ह न श्री सत्य नारायण या पूजा या व॥ ने वे दे फल फुल फ को वलुक
दय का व ह न ओ वृत या व धर्क उ प दे स विद्या व॥ श्री वीं ल रा नृ प न ग नान
श्री त भान नृ या व विज्यात ओ नीलि॥ श्री न ग नान या श्री मुख नं श्री सत्य ना
रायण या वृत उ प दे स विव गुरुली॥ ओ ते वृत पूजा या इव संपूर्ण यात॥ ओ नी
लिनिये ओ लंदरिद्र श्री ल रा या दुख दरिद्र ना सज या व॥ धन संपति भरि पूर्ण
तु या व सीतान व धये तु या व॥ गान न न सूर्य भोग या इव वीं न॥ ओ वीं ल रा

आजिबद मो मे ली कागि पागि की वत या डा व वो न॥ मृत्पूज ले नली वेकू राठ ता
सलात धकं श्रीभगवान न न नारद अ श्री या हु व ने स॥ आशा दय कल नारद
नकु ल सी पृगुलि क व्या सूत पौराणि न सौ न कादि अ श्री यनी स या हु व ने
स आशा दये क से विजात॥ ॥ ईति श्री स्कण्ड पुराणे देवा सूर सभा दे स
न पौराणी सौ न कादि अ श्री पुर सभा दे॥ श्री सत्य ना रा य रा वत क थादि ॥ २॥
ति ये ध्या ये॥ २ ॥ धो नली हर्न सूत पौराणी न आशा दय क से विजात॥
हे सौ न कादि अ श्री धो ने वी स रा उ धार ज व गूली रव क ने धून॥ आव द न ह
ने ने गू ई द्या द व ध की सूत पौराणी न आशा दय क ली॥ ह न कं सौ न कादि अ श्री
लो क यनी से न आशा दय क ली॥ हे सूत पौराणी धो सत्य ना रा य रा वा वत

॥ ओ ने स्रुती स्रुती ननु को यात्रला मेक सुनानी या क ला ॥ विकार एग्राशा
दये क सेविज्याये शाल चर्क विनाति यात ॥ ओ नीली हुनी सूत यो रानी न
आला दये क ली ॥ सूत डवा च ॥ हे सौ न कादि अषी अरने सेविज्याहुने ॥
हुनी ओ स्रुती सत्य नारायण यावत या क पनी सउधार जूव जूख कने
॥ शुधा चित या नावने सेविज्याहुने चर्क आला दये क ल ॥ हे सौ न कादि
अषी द्रुमादिन स ओ स्रुती सत्य नारायण यावत पूजा विधी ॥ उ यदे
स यावये ज याव वी स्रुती स्रुती से ननुत जूजा या डव बो न ॥ ओ नीली
ज्या अज याव बो ड ॥ स्रुती स्रुती याव वरत मान या नाव बो ड ॥ वे धारि ननु
जुल सी स्रुती भारि दिङा व जल तो ने चर्क वी स्रुती स्रुती स्रुती ॥

ॐ वे ल स वी ल र ग या पू ज्ञा व्र त या इ न व्र चो न शु ख इ न व ॥ ॐ वे घा रि न ल र व
फे न ना व ल र व तो इ न व्र ॐ वी ल र ग या ह व्र ने स वि न गि या त ॥ हे वी ल र ग द्र ल
को ल या दु दे व ता या व्र त पू ज्ञा या ना व वि ज्ञा न ग ॥ आ म पू ज्ञा न दु फ ल
वि यू व ॐ र व जि ता वि ल्ता र म्मा इ न व्र आ श्ना द ये क से वि ज्ञा य म्मा ल ध र्क ॥ सि
॥ १० ॥ वं जा र न ज ल सा वी ल र ग या ह व्र ने स वि न गि या त ॥ ॐ ते सि वं जा र या मा
घा ने इ न व्र वी ल र ग नै ज ल सी आ श्ना द य क ल ॥ वा ल र ग उ वा च हे सि र्वं जा र
जि ज ल सी श्री स म्पा ना रा य ग या व्र त पू ज्ञा या ना ॥ ॐ व्र त या पू ज्ञा वा क ल
म नू र्वा या स म स पा प पु र इ न व्र दु ख द रि ड ना स नु या व ॥ सू र व न ध न सै प
ति द यू व सै ता न द ई व ज स कि र्ति ला ई व ॥ थू कि या ह नी जि न ॐ हं श्री स

॥ १० ॥

[illegible]

गुलिमननेवांछायात॥ वृगुलिपूर्णजुईव चकंडघटेसवील पोनीलीओ
लंसिवंगारनजुलसी॥ मनसअतिपूसिजुयावव्यवदेसवइवव्यवरी
याहवनेस॥ ओतेखलमस्तवतातकइवनेलरिप्रुषयासज्ञायाइ
व॥ व्रींलरायाआशाओसरजामअपुंगनेवेदेकेरापंचामृत॥ फूलफू
लव्यमननफयाथेसरजामतालरातकाव॥ रकवितयाइवव्रीस
चनारायणयावतपूजायातपोनीलीगवेसाखसज्ञालेनला॥ अर्थेवि
धिवृक्षकनयाजगवर्षपूर्णयात॥ ओनीलीओवृतायाप्रभावनओसिवीगा
रधनसंपतिभरिपूर्णजुयाव॥ संतानवयुयजुयावसूरवनओगयाइ
वपरत्रसओपानिसवैकृण्डतवासजुयाव॥ वनचकंसूतनलोतकादि

॥११॥

॥११॥

अष्टीलोकया हवनेन आशादयकलं ॥ ईति श्री स्कंद पुराणे देवा
मूरसम्वादे श्री सत्यनारायण व्रत कथा श्रुति ये ध्यायः ॥ ३ ॥ धोनीलीह
नं सूरत जोरानी न आशादयकल ॥ सूत उवाच ॥ हे सोमकादि अष्टी ने सेवि
ज्जाहुने हनी श्री सत्यनारायण या व्रत का प्रभाव न ॥ उवाच उवगुली
खजिन कने नोड ॥ हे सोमकादि अष्टी ॥ उवाच ॥ पुरचाया नाम नगर
याराजा बुलका मूरव चया लं रागाद संद से सोड ॥ यो राजा गयीं ड लं धा
लसा अति नवल वा नजु या व सोड ॥ स्वर्गत सदेव राज ईद या गजित ये
या फ या व सो न ॥ हने अति न सत्य वादि ज या व सोड ॥ असत्य व च नखा
गो ये ल सन मूला क ॥ देवता या श्री सारा या भाकि या ये गूली तत पर

जुया वचोन ॥ हुनं व्रं लराभिभूक अति अभागतदरिद्रयात जनईया
दिविद्यावदान पूणे याङ्गे वचोन लराजा छ लंदया वचोन ॥ ओनीली छ
यादिन लसाधूना मधाया ल वनिया छ लंदव ॥ ओवनि ज्ञान जुल लंदे
पारव डग व अति न धन दुव्ये जो डग व समुद्रया ना मल यो डग व ॥ ओल उ
॥ १२ ॥ लका म्म राजाया दे स या द्या ट सधेन कल व डग व ॥ सहर स दु हा न ॥ १२ ॥
नं ओनीली ओल उ लका मुख राजान जुल लं ॥ श्री सप्य नारा य रा या
बुग या डग व को ड गु ओ वनि ज्ञान रव डग व ॥ ओल धूना मवनि ज्ञान जु
ल सां राजाया धा ये स व डग व विनति यात ॥ ला छ उ वा च ॥ हे स हा राज
छ ल यो ल या अति न नाति अचात यात ॥ पूजा या से विद्यात हे स

हाराजद्वलमोलसेनहु देवताया पूजायाङ्गविविज्याङ्ग॥ आमे। देवताया
नामहु॥ हुफलवियूवहेमहाराजथोस्वजितविस्तारनआशादयकसे
॥ प्रसन्नजुलोविज्यायमालधर्कविनतिआत॥ धोतेसाधूनामवनिआशा
वचननेङ्गवराजानजुलसाआशादयेकसेविज्यात॥ राजोवाच॥ हेसा
धुवनजुलसाहुयावतपूजायाङ्गहुफलवियूवचकनेन॥ जिनजुलश्री
महाविष्णुयाप्रतिनतेजदर्शन॥ श्रीसत्पन्नारायणयापूजायाङ्गथू
ग्रपूजानसत्तानदयेकेचर्क॥ दकोमिलयजुयावपूजायातधर्कराजान
आशादयकली॥ धोतेनेङ्गवसाधूनामवतिआनजुलसांविनतिआ
त॥ हेमहाराजजिनसत्तानमहुजितसत्तानदयेकेधोवतयाविधा
नगथो॥ सप्त॥ सप्तआशादयकसेविज्याहुनेधर्कविनतिआत

॥ ओ नै ली राजान जु ल सा श्री सत्य नारायण या विधी पूजा ॥ द को कडा
व विन ओ नै ली व नी जान जु ल सा श्री सत्य नारायण या वृत पूजा विधी
का जाव ॥ प्रा व फी जि घ नी स या व न ज वे पार म व ड से थ व क्ष स व ड व ॥
थ व र्वी या ह व ने स थो ते स म ला द ता त ख क न ॥ हे प्री य आ व फी जी य
नी स या ध न सं ता द यी गू ड य दे स द गो ॥ प्रा व फी जी य नी स या सै ता न ॥ १३ ॥
प्र दु नि गू य नू सं ता न द र्द व वे ल स ॥ श्री सत्य नारायण या ध म वृत
या य ध र्क सं क ल्प या त ॥ ओ नं ली द द्रु या दि न स थो सै व नि आ या र्वी
ली ला व नी या ग म स द या व ॥ फि ला मा स सै पूर्ण ज या व की न्पा जा न
जु ल ग थी ड ल र्क न्पा जा त जु ल खाल स ॥ प्रा ते ल क्ष न ला व प्रा ते न ला
न ला क वा न ला ड न व चो न ॥ थ थी ड ल वा ल ख स या व अ र्जा ता थ

किन्तु नूवेन काव्र जौतिक वीं सिरा घनि सवोन कल होया व॥ नाने कर्ण
जात कल धन जौतिक वीं सिरा घनि सेन जुल सी॥ माल को कृया कर्म धू
न काव्र जौतिक वीं सिरा घनि सेन जुल जो सिरा लख या नाम॥ कला व
ती धर्क नाम दुःख माल को कृया कर्म धू न काव्र॥ जौटिक वीं सिरा घ
नी स यात भोजन यात काव्र ददि नादि या व॥ यत्र रूद्र सति हा व्रन जो
नली जो वाल बक धन मुक्त पक्ष या बड माजा वये॥ कि कि दि यात व
भिक जु या वः वल जो बेल स लिला वति न धा या॥ आ व्र जां संतान दतो श्री
सत्य नारायण या व्रत या व्रत या य नू यो धक॥ यत्र पुत्र व वनि आ या ह व
ने स धालं वनि आ न जुल सी री लीला वति न हुन॥ म धा त्ये सूर्म क सी न

॥१४॥

ओ नंली त वधी क जु स्प नली विवाह या यग ॥ व वत जु लो ध कं लं का व नः न
गर स बुधि ना न वनि आ द व ॥ ओ व नि याः या ध न र पति द या व व न आ गि
न सूर र जु या व व न लो क ॥ ओ स च सा व ओ व नि याः य ता वि य ध वं दु त द्ये
व व नि आ वो न क ल द्ये या व ॥ भि डः गु दि न स थ व पु त्री क ला व ति बु धि मा न
व नि आ या त कं न्या दान विल ॥ ओ नं ली वी स रा या त पू ज या य ध न का व
भो ज न या त के धू न का व ॥ दा द्दि ना वि या व वे दा वे दा व द्ये त ह नं थ व धि
धी र्द स्त मि त्र पा नि स या त भो ज न या त के धू न का व ॥ वे दा वि या व द्ये त थो
नी ती वि हा धू न का व स हा ध्या न न्द न व न ॥ ओ वे ल स श्री स त्प ना रा य
रा या कृ पा व सं ता न द या न व त पू ज या य ग ॥ ओ व नि आ या के या

॥१४॥

दमदयावसूषन भोगयाङ्गवचोन॥ धोनीली श्रीसत्यनारायणानु
लक्ष्मीप्राशादयकलस्वव॥ धो वनिआ नजुलसी॥ अहंकारयाङ्गवचो
नजिगूवतथायचर्कप्रतिशयाङ्गव॥ ह्याचयाविवाहयायचूनकान
जिगूवतयूजामयाकचर्क॥ श्रीसत्यनारायणकोपजुयावविज्यात
॥ धूगलिखधोमहाजनयाकेयारमडु॥ धोनीली वनिआ नजुलसी
थवगूवेयारवनजसेपवनेधर्कमालकोचनमालेजोडनव॥ ध
वजीलकुक्षिमानसमेतजोडववेयारवनी॥ धोनीलीरजसापूरधायाशू
नगरशाशकासुकेतुधायानामराजादयावचोन॥ धोनगरमासम
दयानामसकोङ्गव॥ धोरजसापूरनगरयाद्याटसवेनकलवन

॥ ओं वाय सजिह ससूरव कुने हस या हति २ नाम स की कु व व न

॥ ओं घाट सने सना घालात थू गूली वाय स ॥ श्री सत्य नारायण प्रत
क्षज या वृत् पाहे ला व आपविल हे दु व व नि आ छन जुल सां ॥ अमनं व

त थू जायाय चकं पुती ग्या आ डग व हे य का व ॥ अहं कार न जिगू भा ग्ये न

सूरव भोग या डा चकं वी न आवेली ॥ श्री सत्य नारायण या पूजा मया

तले छन त व दु र्यासि य माल छन संपति न ॥ प्र य माल चकं आ पवि या

व ओ गी गा स अंत ध्या न जु आ व वि ज्ञा त ॥ इति श्री स्वरुड पूराणे

देवा सूर स म्या दे वधि मान वनि आ सा जु ना म वनि आ ॥ आ प श्री सत्य

नारायण अंत ध्या न चरु वी ध्या य ॥ ४ ॥ ओं वनि आ न जुल सां

॥ ओं ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अहंकार श्रित न दया व्रवे
इ. हं नमि नान ओख याद म या क ओमीलि ॥ थू थू नू या रा त्रिल ओर न पुर
नगर स थू न थू या व य न ओ वे ल ल ॥ चौकि दार पानि ले न ख डग व थू या लालि
ना व य न ॥ चौकि दार पानि ले न थू ना पला स ते डग व ॥ थू न गृ ल थू या ह व थू
गाल माल ओ म हा जन या ना म या ह व ने ल न या व थू वि से व न ॥ चौकि द
र पानि ले न थू म ख डग व गाल माल नु को ना म या को स थ डग व ॥ थू ओ हे व
व्र थकं थू या व ह व थू गाल माल महा जन या गू गाल माल न ॥ द को जो न का
व ओ म हा जन ने ल म या ग थू ओ हे व व्र थकं ॥ स सूर व वु चिल चानी ल स

या तवि दग वरजा या थाय स यन ॥ धन महाजन पानि लेन जुलाजि पानि लेन व
या महु चकं धाल ॥ सभास जो ड पंज परिमान पनी लेन जुल धाल ॥ हू पानि लेन
धूया महुसा ओ ग्रास माल ग ओ हू पानि सया ॥ थाय सवो ना धका वू ओ पानि
स या त वर रे या डग व धाल ॥ ओ हूं श्री सत्य नारायण या वु न प्रतिज्ञा या डग
व म या डग हति ॥ ईश्वर को पजु या व मन बुद्धि हिला व ने वल न क या व ॥ के लषा ॥ १६ ॥
ना सत य होत ॥ ओ नीली दुर्न श्री सत्य नारायण या व्याप न ॥ ओ ह्री महाजन
या हे स जन ल पानि न भू न धू या व यन ॥ गूली लु चान हे य का व यन ख व श
म वू गू गू गो परे जु या व ओ या ग्रा ल माल ॥ जन सं पति वृगु क धन पू डा व व
नी ध व दे स न फूत ॥ ह न धि धी माया म द या व पा प न या त ध धो न ओ नुर

चक्रं सूर्या के विचार विवेक छु न द यू व म वू ॥ स्मृतिं २ अहंकार द यू व धाणे ॥
ले न शि धे फु र्द दुख क स न यू व ॥ धाणे ३ ले न लि च म्म लो ल त ले न ली म म्मा
अहंकार व रु ये न यू ॥ पाण व रु य न यू धाणे ३ ले न लि धे मी ने म दु धे फु यू
व ॥ धो ते न शानि ज न नी वि चा न या य म्माल ॥ धो नी ली धो म हा ज न या धे स श्री
सं य मि फु ड ग व से न ली ॥ धो या क ला न ली ला व ति व ह्या च क ला व ति ने ह
म वा याने स अग्नि न ॥ दुख क स न या व न श म ख ड ग व मे व या धे स फो ड
व न या व न रु ॥ धो यानि स दरि ड न या व या नि मि ति न धो यानि स ख ड ग व
मे व न सूनान हे चा व म दु ॥ द को ले न धो यानि स या त हा ले या त दान धाल
सा परं व स र्द र को य न या व ॥ म न दु ख क स न या व जो ले न ली च डु या

॥१७॥

दिन सकल वृत्ति न जुलसी ॥ देखहु न नय मख झवहु ग्रन फोडा वन यध के
गुं लरा या देखवनी ओ आये स प्री लरा न जुल ॥ श्री लरा नारायण या व
त पूजा या डाव चो ड खडा व वासन ज्ञाना व चोन ॥ ओ ल कला वृत्ति न छ
डा व ओ स्व या व ॥ वा खन ने डा व चोन ओ नली वृत्त या नै वे दे प्रसाद का या व
नै वे दे न या व गू गू ली मन नी वी छा या न ॥ ठ गू ली का मना पूर्ण जु य वृध ॥१७॥
कंधा व गू ने डा व वह नि ल पा व देखवनी ॥ ओ नली मा मलिला वृत्ति न मन स
लंठा का या व ल्या च कला वृत्ति या न चा त ॥ हे पूत्री हलिका न का व आ वे
गोले ग ना व डा व चो डा रा त्रिया ओ वे गो ले ल्या से ल्या य मो का मे व या देख
वा चार त जो ले नली मे व न छु वा ई व ॥ छन वृत्त भा रा न न सिल सा छु वा

ईव॥ वनमनसहुं भालया वज्रया लाजिता गाल परे जुई अवेजु यमते वधक
मा मन न्यात॥ ओते मा मया भा आने डाव वा प यूती कला वती न जु ल सांघा
ल हे मा मजि मे वया के वने धर्क जु आन मू जि पर पुन वया के विल त या वज
याने मरु॥ जि जि स पानि ग्रामि न दरिद जु या व दुष क सा जु आनि मिमिर्ति न॥
वी स्मरा या छे सहुं अन फोने धर्क वना ओ वे ल स वी स्मरा या॥ श्री सत्यना
राय रा या पुजा या डाव चोन वा वन का डाव चोन हे मा मजिन ओ वा व
नने डाव चो डा आनि मिमिर्ति न॥ ओ हं श्री सत्यनारायण या वत पूजा या त डा
व शूली मनने वी छा यात॥ डगूली का मना पूर्ण जू यू धर्क धाल॥ ओ ते जी
नने डा आनि मिमिर्ति न ले वाता॥ हे मा म ओ ते मनने वी छा या डा गूली पूर्ण
जुई चासेही॥ जि जि पानि सेन ओ वत या यनूयो धर्क कला वती न धा वं गू

धने इग वामिला वामिन नन नर्न आरा पाव ॥ ओ हं श्री सत्य नारायण या व्रत या
यध कंजियुं अन प्रमिशा या क गुरव व ॥ ओ हं श्री ईश्वर या कृपान सता न
दगो अथे गजिष्वासी न व्रत म या क ॥ भा आ जु को न या व सो न ओ व्रत पूजा म
या क या मि मि रि न दुख क सा न य माल ॥ प्रा व धु गू ली व्रत दने धक म हाने
म या इग व य क चित या इग व ॥ गधे सा ख स ह्ना से त ल अथे अ पू ग नै वि दे सहि
त न स राजा म द य का व व्रत पूजा या इग व ॥ श्री सत्य नारायण या के विन मिया ॥ १८ ॥
त हे पर मे धर जिष्वासी न व्रत पूजा म या इग हुनी ॥ धु गू दुख क सा जु ल जि नू
पूजा न ह ल यो ल संतु संतु या व वि ज्ञा य माल धक ॥ नाना मा धन कृति या त
ओ नी ली ओ हं लिला वामिन व्रत या इग व सृति या क गू ली न संतु संतु या व ॥
ओ हं श्री भगवान् नै यी दु के तु राजा या त स्य प ना स के न ॥ हे राजा ओ व

म
निआनेल वरुणः वृजा मे ववुका हेराजा ॥ धोम हाजन या धन या ग्याज स
मे तहि सापया डा व विव धोम हाजन या ॥ ग्याल माल दको ना फि ता या डा व
माविल सा दनराजे व स पुत्र छुन वाकि लेनि व म व धर्क स्व पना स धा या व ॥
अंत ध्यान जु या दा विज्या ल वी नीली राजा या हे ल न या या व ॥ दडा व सिंहासन
ल विज्या डा व मंत्रि भा रा दार पानि सल ला व ग्या रा द ये क ल ॥ जे ल धाना स त या
व ग या ही महाजन पानि सने ल व म व ॥ सि पाहि न का ये क ल छो व धर्क आ
हा द श क ल ओ ते आ हा ने डा व सि पाहि न का ये क ल छो त ॥ सि पाहि य मि से न
जे ल धाना स चो ड ही महाजन ने ल ह या व विल ॥ धान महाजन पानि स ग्या डा
व चो नी धो नी नी राजा न जु ल ला ने ल महाजन या त ने ल वा क्रा डा व विल ॥
हे महाजन छ पानि स धन वा क्रा व दुष य रे जु ल ॥ धो दु र व जि ना वि आ गु जु ल

॥१२॥

प्रावृद्ध जनि सथा दुख कुटूंब म भूतो ॥ ग्या यमूना ल धकंधाया वृद्धे ला वलुया
गदना घोसा कायेत हया वसिर जा डविल ॥ मंत्री भारदार पति सेन ग्राह मा
लदको यासूत स मेत हि सा पया डा ककिर्ता विल ॥ ओ नली महाजन जनि से
नराजा आत पुता म मा डा वृष्टी मरा यात दहि ना विया य ॥ राजा या के विदा
काया व म हा आन दया डा कालि हा वल ॥ ओ नली हनी श्री सत्य नाराज रा
नी कुलसी ओम हाजन या चरित्र स य धर्क ॥ आ व खनी चेतय कुल ला ध
की भेय चारि डी डी तय जु या व ॥ वनी आ या धाय स अंत ध्यान स य धर्क
जिगू सु मर ना या वला धर्क महाजन चोड धाय वडा व धाली ॥ हे महाजन
छन नाम ल पुच्छू आल माल द व जित लाय क शु वस्तु क छुने द व ला धर्क

१२

आशादयकल ओते डीया भाषाने डाव ॥ महाजन नजुलसां अहेकार
नमचायाव धासी ॥ हे डीदिजिके कुनम दुधके अहेकार नधाली ओते महा
जन आदि इभाषाने डाव ॥ डीदीन मे व श्री भगवान नजुलसां आशाद
यकल ॥ हे महाजन धनहुं दुम दुधायावे दुहुं मदयावः वने मालधके आय
वियाव ॥ उस दुहाव डाव स्वयाव चोन ओनीली अकाल मात न नाम सचोड
भरि पूर्ण जयाव चोडः गुरुक ॥ कुनम दयाव नाम आली जयाव चोन ओ
स्वयाव ॥ महाजन या मनल अति आसये चायाव नाम सदडाव स्वायाव
मालव लुक कुनम स्वडाव ॥ महाजन मूर्धा जयाव भूमि सको हाव याव अति
नविलाप या डाव चोन ॥ ओनीली महाजन आजिल चानजुल ससूर ववुयाह

बहुने स्वधाल हेस सुरपिता छ। ये दिन सूर्ता या डग वदिया ॥ ह च आ ह डी डा
या बेल परे जुल थो डी डी माल वने नू यो थो डी डी न हरे या येन फ व भरे या डग न
विय फ व थो लें डी ई श्वर रय व ॥ थो गेन थो डी डी माल वने माल वने नू या ध
की ने ल व न ॥ थो नं ही डी डी रूप भगवान ने जु ल सां व न स चो डग व धू निल ग
य या डग व चो ना व रू मू क चो डग व चो न गु स्व या व ॥ थो बेल स महाजन नी जु
ल सां अतिन को मल जु या व व च न खा धालु र का व वि न ति यात ॥ हे भगवान्
जिन मास से ग्र हे कार न व च न ला ना जि दो न धमा या डग व वि ज्ञा ये मालः ॥
जिग्रु उपर स दया क न ना ग या व प्र सं न जु य माल ॥ हे प्र भू जि गु धन पुत्री या
परिवार स्व डग व र क्षा या चे माल हे प्र भू स ह श्र कोटी २ नम स्का र ॥ ध

॥२०॥

॥२०॥

की अनेक प्रकार से नैवेदित यात ॥ ओ नीली डी डी दूध श्री भगवान ननु ली
आशा दय कली ॥ हे वनि आह ननु ली डी डी दूध कस्तुतु व सु नान मख दनध
व ध्ये ध मन आ के ली न बार बार दुरव कस्तु ॥ आ वली श्री सत्य नारा
य रा या पूजा वत या व धर्क आशा दय का व ॥ ओ ते डी डी या आ ज्ञाने हा व वनि
आ ननु ली म न नी आ ल या व ॥ ओ ली डी डी श्री सत्य नारा य रा ख व जि अ है का
रि जु व या नि मि ति नि ॥ जि ग अ हं कार को टी न का व वि ज्ञा त धर्क सिय का व ह
नै वि न मि या त ॥ हे पर मे श्वर श्री भगवान हर मो न न द ये का व त या मा
या मो ह नु या व चो न ॥ ओ मा या मो ह स ओ प्र सां दि द य का व स क ल्ये
मो ह परे नु या व चो न ॥ जि किं चित् म नु व्ये या दु हि ता प हे पर मे श्वर

॥२९॥

हे भगवान् ॥ आत्मा दको आ प्राण पुत्र अजु आ व्रविज्या क सं द्र यो न
आ माहि मा सूनान ॥ अथे धधे धकं मा सि व हे प्र भू जि जु ल मो ह स दु वि ष
व यो नो ॥ जिन द्रु ल यो ल या द या नी सि य धून त्को रि २ न म स्का र जि न जु ल
पूजा या ये ध कं सं क ल्य या इ व ॥ आ वे तो ले म या इ ख व आ व जि न पूजा या ये
ध कं अ ने ग प्र का र रा न कृ ति या त ॥ धो मे व नि आ न कृ ति या क स्व या व सं त क
जु या व ॥ व नी आ या ह व ने स डी डी दू य भ ग वा न न जु ल आ शा द य क ल ॥ हे व
नि आ द न मा ल द य मा ल द न श्री स त्प न रा य रा या पूजा ॥ व त गो वे ल स गो
लो मे म ले व ध कं आ शा द य का व डी डी दू य भ ग वा न अ त ध्या न जु या व वि ज्या
त ॥ धो नी ली व नि आ न जु ल ही भ कि भा व न ॥ श्री स त्प न रा य रा या पूजा ज प

॥२९॥

जानया इव ज्ञानन्दया इव निहा वयाव स्वप्ने नली ॥ नामसव्यवस्तुकसम
स्तभारि पूर्ण जुयाव चोड गूस्वयाव ॥ धन्ये २ ईश्वर धर्म मननी नमस्कार या इव
व मनसहर्ष मानया इव ॥ अथ गूदे स सवन ओनीली अवदे स भनि मये डवे
लसज्जिल चायात धाल ॥ हेजिल चाया व अवदे सरत पुरनगर सवने दे स
षवर सभाचार कडा वदो व ॥ चर्क चाया व ओते ससूर पिता या वचन ने इव
॥ अथ साधी प्रासा जति सयात खवर विद्य कल द्योत ॥ अना साधी पति सेन
गुलसा महा ज नया दे ल व इव ॥ महाजन शारित्र लीला वति या ह वने स महा
जन अना येन कल वल धर्क ॥ समस्त वतां गख कन ओनीली लिला वति न
गुलसी माल को सराजा मजिय का व ॥ अथ विधी पति सयात खवर विद्या व ॥

श्री सत्पे नारायण यावत बुजा याये चून काव प्रसादन याव ॥ ओ नैली पवपु
त्री कलावती या हवने सधा लहे पूत्री हन ववु ॥ हन भाल तो येन कल वल धे
आय ओ हं श्री सत्पे नारायण या प्रसादन याव ॥ अल हनी धर्क धाल ओ ने
मासन ह्या च या न स माचार कने रुकनी ॥ हता २ सनी विव गू प्रसादना पं म
नस्य स्वल वनं ॥ अ व पि पी धनि से न ल स्व ल वनी ॥ ओ नैली महाजन या ह्या च
नजु ल सं श्री ई स्वरी या प्रसाद मनस्ये ॥ देला या डा व ओ ह्या भाल तो या चन मा
ल अल प न जु या व वनी ॥ अ व भाल तो न अल प न जु या व वनी ओ ने अ व स्वामी
न अ व स्वामी या भारिगारि स म सा ॥ अल प न जु या वः व ड स्व या व ओ कला व
ती मूर्छा जु या व चोनी ॥ हनी ओ महाजन या भारिगारि न सूनानी मख डग व

॥२३॥

॥२२॥

लक लो आस र्ये चाया वचोने ॥ हर्न साधना म वनि भाया मनस आगे वि संदे
ह जुल ॥ न करुनि द वही न करुनि नी अल पजुल महा आस र्ये जुल चर्क ॥ सूताया
डाव चो न यो नीली लिला वनि प्रतिवृत्तान जुल सीध व ह्या चया ॥ अर्धीडू गूवि
परित जु व स्व याव अद भूत चा याव धाल ॥ न करुनि द व ल म नु ये न करुनि
न त न यो दु हेतु ग ये जुल ॥ दा ह जुल ला हर्न सा ह न जु को द वा ये यात ला ह न
भी ल ये ना रा य रा नी जु को द ल ये यात ला ॥ ग ये जुल चर्क महा अंदो र चित
या डाव यो याव अन्न पूत्री अन्न मूदे सत याव यो याव चो न ॥ यो नीली यो क
ला व नि न जुल ला अन्न सा मी न स जु यावः व न रु स याव ॥ अन्न सा मी या ग
क अ पा ड का य चाल का म का या व मूदे सत याव ॥ सति व ने चर्क चो न

॥ धोते मा म ह्या च या विं रा प स्व यु व स्या धूना म वनि आ न प्रति न मो हि
त जु या व ॥ सं ता ज वा या व वि चाल या तं ओ मे व ता म धू ॥ श्री स त्त नारा य रा
या ध्या ले धू का ओ मे व ता दु न जु रा म धू ध कं ॥ मन नं भा ल जा व न म स्का र
या डा व भू मि स मो ल २ तु ला व सा व ग डी दो व त् प्र णा म या डा व ॥ ना ना मा
॥ २३ ॥ धन सो त्र या तं ॥ धो ते व नी आ न सो त्र या क गु ली न सं तु ल जु या व आ का ॥ २३ ॥
स वा नि जु या व ॥ आ शा द ये क ल ॥ श्री भ ग वा न ड वा च ॥ हे व नि आ ध न ह्या
च न जु ए सा नि श् प्र सा द मन ल्ये हे ला या डा व ॥ ध व स्वा मी रु स्व रु व ल थु
कि या नि मि ति न जु ए आ व दे स व डा व ॥ नै वि दे प्र सा द न या व ॥ व ल सा ओ या
स्या मी न ध न मा ल द ई व ध कं आ शा द य क ल ॥ धो नै ती थु ली श्री स त्त

नां रा यरा जागन नरका रया डा व ॥ हनीं थव पुठु वर चरा वलं थो वेला
स ग्राह मा ल थव स्था मी न द या व जो न ॥ समस्त लोक धनिस कल
से न थं न २ श्री सत्य नारा यरा सा क्षा न पुत धन द व ध कं ॥ नमस्कार
याग थो नै ली वनि आ ने स्त लोक सक ले थव दे ल व डा व थो नं ॥ लि
थे न्म थू जु ल्थे न लि वै क र ठ स वा स ला न ध कं ॥ सुत थो रानी न सो न
का दि न्म थो लोक या ह व ने ल ग्रा हा द यो क ल ॥ थो नं ली हनीं सुत थो
रानी न सो न का दि या ह व ने ल ग्रा हा द य क ल ॥ हि सो न का दि न्म थो
हनीं दू गू क थो क ने न्थे ड ॥ वर स्व पित थया स्त रा जा द स द व थो रा
जा व दा ध र्मा त्मा ॥ प्रति दा ता जु या व जो ड ॥ थने ग वृ त या डा व जु
ल ॥ थो रा जान जु ल ली श्री सत्य नारा यरा या पूजा वृ त मे द या व

॥ अतिनदुरव वाया वचो न ह्नु यादिन स श्री साय नारा यरा या पू
जा वत लने वे दे फल फल समस्त जी य का व वत या का व चो न गु वे ल स
॥ ओरा का ये न कल व का व वत या क गु मा प्र सा द न या व सूर्य भोग
या का व चो न ॥ पर त्र स ओ सं राजा वै क रा ठ स वा स ला त ॥ हे लो न का दि
॥ २४ ॥ स वी लो क ओ सं श्री साय नारा यरा या पू जा वत या वा ॥ अ को ट या
का व या जी व ह नी ल का ति पा ति की व त या ई पू जा या य व ॥ वा स न ला ॥ २४ ॥
त कि व ने नि व ओ पा नि ल या त द को पा य फु डा व : व नी ॥ ओ सं जी ल
स ग रा यरा या वत पू जा ग ये सा स ल ला ले त ला ॥ अ ये अ क चि त
या का व या क सं म नु ओ या त अ धो र २ पा य द त ला न फु र्द व ॥ ई ह
लो क स म हा सूर वी गु या व पर त्र स वै क रा ठ स वा स ला ई व ॥ विले ख न ओ

॥१॥

ओ कलिजुग स श्री सत्य ना राय रा वा वृत्त विना न ॥ मे व श्रुति डिति मजु व
संदेह काय मू माल भव श्री सत्य ना राय रा नै ॥ श्री नारद का या त आशा
दय क गु र वा श्री रा द द न श्री नकुल मूर लौ रा ती न सौ न का दि त्र य श्री लो
क या ह व ने ल आशा दय क ली ॥ ॥ इति श्री स्क रा ड मूर रा लो दे वा सूर स
वा दे श्री सत्य ना राय रा वृत्त क था पंच मो ध्या यः ॥ ५ ॥ सम्य त् १०२
इति श्री वीर सु दी १० ले ज ५ शुभ ॥ ॥ ॥ ॥

१५ वीर्णा श्री गवा
यथा यी यी ययु



श्री माहालक्ष्मी माहादेवीसौ श्री सुरसुदरी वैकुण्ठे
वापुका लुवासीद्यासनसथा ता सुदी

श्री स्यासी श्री रामवन्दे

कथाद्युवद्वे

ॐ नमः पठयामि

॥३५॥

सि तुल्य श्रीसनरा

श्री सारदा देवी नमो तं श्रीवसरकल

मुमाहे

थ पवनपप

वम मयलरा

॥२१॥ ॥६॥ ॥५॥ ॥४॥ ॥३॥ ॥२॥ ॥१॥